

स्क्रीन पर शेफ का किरदार निभाना बेहद खास रहा: सुम्बुल

अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर खान का कहना है कि स्क्रीन पर शेफ का किरदार निभाना और सचमुच खाना बनाना उनके लिये बेहद खास अनुभव रहा है।

सोनी सब का शो इती सी खुशी अपनी सरल और दिल को छू लेने वाली कहानी और सहज पलों के जरिए दर्शकों से जुड़ा जा रहा है। मौजूदा ट्रेक में अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) अपनी जिंदगी के नए पड़ाव में कदम रखती हैं, जब वह रेस्टोरेंट में काम शुरू करती हैं और शेफ बनने के अपने सपने की ओर पहला कदम बढ़ाती हैं। अन्विता की यात्रा चुनौतियों, सीख

और छोटी-छोटी जीतों से भरपूर दिखाई देती है। दिलचस्प बात यह है कि यह ट्रेक सुम्बुल के असली जीवन के शोक से भी मेल खाता है। उन्हें हमेशा घर पर खाना बनाने और नए प्रयोग करने का शौक रहा है, और जब सेट पर उन्हें प्रोफेशनल शेफ की किचन जैसी जगह मिली तो यह उनके लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि जैसा था।

यह शानदार सेटअप उनके लिए एक छोटा-सा आशियाना बन गया, जहाँ वह अपने जुनून और अभिनय को एक साथ जोड़

सकें, जिससे पूरा अनुभव और भी रोमांचक और जीवंत हो गया।

सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, 'मैंने हमेशा सपना देखा था कि मेरी खुद की एक बड़ी और शानदार किचन हो, और जब मैंने सेट पर बनी

किचन देखी तो सचमुच लगा कि मेरा सपना पूरा हो गया है। घर पर मैं हमेशा खाने के साथ नए-नए प्रयोग करती रहती हूँ, इसलिए स्क्रीन पर शेफ का किरदार निभाना और खाना बनाना मेरे लिए बेहद खास था। यह सचमुच मेरा छोटा-सा 'हैप्पी प्लेस' बन गया। उस माहौल में रहना किरदार में ढलने और हर पल का आनंद लेने को बहुत आसान बना देता था।'



मस्कट में फंसीं अमीषा पटेल

दुबई में मिसाइल हमलों के कारण एयरस्पेस बंद होने से अमीषा पटेल की फ्लाइट मस्कट डायवर्ट हो गई। एक्ट्रेस ने जानकारी देते हुए चिंता जताई और कहा कि वह सुरक्षित घर लौटना चाहती हैं। दुबई में हाल ही में हुए मिसाइल हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बड़ा असर पड़ा है। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल भी इस हालात से प्रभावित हो गईं और उनकी फ्लाइट को अचानक डायवर्ट करना पड़ा। इस स्थिति ने न सिर्फ यात्रियों को असहज किया, बल्कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमीषा पटेल न्यूयॉर्क से मुंबई लौट रही थीं और उनकी फ्लाइट का स्टॉपओवर दुबई में होना था, लेकिन जैसे ही विमान दुबई एयरस्पेस में प्रवेश करने वाला था,

अचानक सुरक्षा कारणों से एयरस्पेस बंद कर दिया गया। इसके चलते फ्लाइट को ओमान के मस्कट शहर की ओर डायवर्ट कर दिया गया। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी स्थिति शेयर करते हुए बताया कि वे कई अन्य यात्रियों के साथ मस्कट में फंसी हुई हैं और आगे की जानकारी का इंतजार कर रही हैं। अमीषा पटेल ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए सवाल उठाया कि आखिर ये युद्ध कब खत्म होगा। अमीषा पटेल ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि उन्हें कई घंटों तक एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। उन्होंने दुबई एयरपोर्ट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वे जल्द से जल्द मुंबई अपने घर लौटना चाहती हैं। इस तरह के हालात यात्रियों के लिए काफी तनावपूर्ण साबित हो रहे हैं, क्योंकि अचानक बदलती स्थितियों के चलते यात्रा योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

साइंस एंड टेक्नोलॉजी



अफ्रीका महाद्वीप दो हिस्सों में टूट रहा

वाशिंगटन: अफ्रीका में जमीन के नीचे एक बड़ी भूतभीय हलचल हो रही है, जिसके चलते यह विशाल महाद्वीप को दो हिस्सों में टूट रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र में धरती की पपड़ी बहुत ज्यादा पतली हो गई है, जो महाद्वीप के टूट की ओर इशारा करती है। इस स्टडी के नतीजे नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए थे।

एक दूसरे से दूर जा रही प्लेटें- तुर्काना रिफ्ट केन्या और इथियोपिया में लगभग 500 किमी तक फैला हुआ है। यह विशाल पूर्वी अफ्रीका रिफ्ट प्रणाली का हिस्सा है, जो उत्तर पूर्वी इथियोपिया में अफार डिप्रेशन से लेकर मोजाम्बिक तक फैली हुई

है, यह अरब और सोमाली प्लेटों को अलग करती है। इस क्षेत्र में अफ्रीकी और सोमाली प्लेटें 4.7 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रही हैं। धरती के अंदर बढ़ रही दरार- वैज्ञानिकों के अनुसार, जैसे-जैसे यह अलगाव होता है, जमीन की पपड़ी पर तनाव पड़ता है, जिसके कारण सतह मुड़ जाती है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। हालांकि, सभी दरारें महाद्वीपों को अलग नहीं करती हैं, लेकिन तुर्काना की दरार उसी तरफ बढ़ती दिखाई दे रही है। वैज्ञानिकों ने यहां बहुत ज्यादा पतली क्रस्ट का पता लगाया है।

वैज्ञानिकों की सोच से भी ज्यादा बड़ी दरार कोलंबिया यूनिवर्सिटी की लैमोड-डोहर्टी अर्थ ऑब्जर्वेटरी के पीएचडी छात्र और स्टडी के प्रमुख लेखक क्रिश्चियन रोवन ने बताया कि दरार की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है और क्रस्ट पहले से कहीं अधिक पतली है। उन्होंने कहा, पूर्वी अफ्रीका में दरार की प्रक्रिया सोच से कहीं अधिक आगे बढ़ चुकी है।



'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का होगा विस्फोटक रोल

सोहम शाह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तुम्बाड 2' को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसने प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है। ताजा खबरों के अनुसार, अभिनेत्री आलिया भट्ट इस फिल्म में केवल कैमियो नहीं, बल्कि कहानी के फिनले में एक निर्णायक भूमिका निभाती नजर आएंगी। आलिया ने फिल्म के लिए अपना विशेष श्रेय शुरू कर दिया है, जिसमें वह करीब 20 दिनों तक शूटिंग करेंगी। बताया जा रहा है कि उनका किरदार फिल्म के अंत में एक ऐसा चॉकाने वाला मोड़ लेकर आएगा, जो पूरी कहानी की दिशा बदल देगा। आलिया की मौजूदगी को इस सीक्वल का सबसे बड़ा 'सिक्रेट हथियार' माना जा रहा है।

2018 में रिलीज हुई 'तुम्बाड' ने

अपनी अनोखी कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था और अब इसका सीक्वल पहले से कई अधिक भव्य होने वाला है। 'तुम्बाड 2' का बजट लगभग 100 करोड़ रुपये रखा गया है, जो इसके डरावने और रहस्यमयी संसार को और भी शानदार बनाएगा। इस बार सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिससे अभिनय का स्तर और ऊंचा होने की उम्मीद है। फिल्म की री-रिलीज की अपार सफलता के बाद मेकर्स अब इसके सीक्वल को अंतरराष्ट्रीय स्तर के विजुअल इफेक्ट्स के साथ पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' की रिलीज के लिए 3 दिसंबर 2027 की तारीख तय की गई है, जो इसे अगले साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से आयोजित 15वें दिल्ली अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दूसरे दिन 'फ्रॉम आर्काइव्स टू स्क्रीन' विषय पर विशेष पैनल चर्चा में भारत की समृद्ध अभिलेखीय धरोहर को सिनेमा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने की संभावनाओं पर मंथन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य देश में उपलब्ध विशाल अभिलेखीय सामग्री को प्रभावी सिनेमाई रूपांतरण के जरिए पुनर्जीवित करने की दिशा में संभावनाओं को तलाशना था। चर्चा में फिल्मकार बप्पा रे, उत्पल बोरपुजारी और लेखक एवं फिल्म इतिहासकार इकबाल रिजवी ने अपने विचार साझा किए, जबकि सत्र का संचालन आईजीएनसीए के मीडिया केंद्र के प्रमुख अनुराग पुनेठा ने किया। पैनलिस्टों ने अभिलेख संरक्षण में संस्थाओं की भूमिका, ऐतिहासिक दस्तावेजों को प्रभावी सिनेमाई

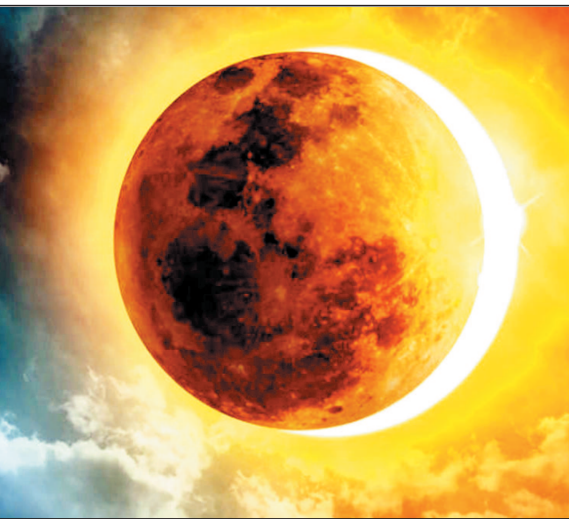
कथाओं में रूपांतरित करने की प्रक्रिया तथा विभाजन, जनजातीय इतिहास और मौखिक परंपराओं जैसे विषयों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभिलेख केवल दस्तावेज नहीं, बल्कि जीवंत कथाएं हैं, जिन्हें सिनेमा के माध्यम से नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। इसके लिए फिल्मकारों, इतिहासकारों और संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

इससे पूर्व दादासाहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात फिल्मकार अडूर गोपालकृष्णन ने आईजीएनसीए द्वारा आयोजित एक विशेष प्रदर्शनों का उद्घाटन किया। प्रदर्शनों में 1950 से 1990 के दशक के बीच फिल्म सितारों और सुप्रसिद्ध गायकों लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, मुकेश, बेगम अख्तर, गीता दत्त, आशा भोंसले और महेंद्र कपूर द्वारा किए गए प्रिंट विज्ञापनों को प्रदर्शित किया गया है।

साल 2027 में सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण

वाशिंगटन: दुनिया भर के खगोल वैज्ञानिक उस घटना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसे सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण कहा जा रहा है। अंतरिक्ष में होने वाले इस दुर्लभ नजारे को 2 अगस्त 2027 को यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा। हालांकि, अभी इसके होने में एक साल से ज्यादा का समय है, लेकिन सदी में एक बार होने वाली घटना के लिए ये बहुत ज्यादा इंतजार नहीं है।

इस असाधारण खगोलीय घटना की सबसे खास बात इसकी अवधि है, जो असामान्य रूप से बहुत लंबी है। जहां सामान्य पूर्ण सूर्यग्रहण की अवधि 3 मिनट तक होती है, वहीं यह ग्रहण 6 मिनट 23 सेकंड तक चलेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह 1991 से



लेकर 2114 के बीच में दिखाई देने वाले पूर्ण सूर्यग्रहणों में सबसे लंबा ग्रहण होगा, जो इसे इस सदी की एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है। क्या है सूर्यग्रहण? सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है, जो उस समय दिखाई देती है जब पृथ्वी, चांद और सूर्य एक सीध में होते हैं। चांद के बीच में होने के चलते यह सूर्य की रोशनी को आंशिक या पूरी तरह से रोक देता है। इसके चलते आसमान में दिन के समय अंधेरा जैसा होने लगता है। सूर्यग्रहण केवल अमावस्या के दिन होते हैं, जब चांद पृथ्वी और सूरज के बीच में होता है। सूर्यग्रहण तीन तरह के होते हैं- पूर्ण सूर्यग्रहण, वलयाकार सूर्यग्रहण (रिंग ऑफ फायर) और आंशिक सूर्यग्रहण।

नासा के अनुसार, 2 अगस्त 2027 को होने वाला सूर्यग्रहण मोरक्को और दक्षिणी स्पेन में शुरू होगा। यह अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र और सऊदी अरब से होते हुए आगे बढ़ेगा। अंत में यह यमन और सोमालिया के तट पर समाप्त होगा। इसके सबसे लंबी अवधि मिस्र में देखी जाएगी, जो लक्कर और असवान में दर्ज होगी। यह जगह अपने प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध हैं।

पहले भी इस उपकरण को कई प्रमाणीकरण में पर देखा जा चुका है, जहां इसके कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए थे। गैलेक्सी ए 57, सैमसंग गैलेक्सी ए17) जैसे सबसे लोकप्रिय और अधिक बिकने

संभावित विशेषताओं की बात करें तो इस फोन में 6.7 इंच का बड़ा एमोलेड प्रदर्शन पटल, शक्तिशाली स्नेपड्रैगन 8 जन 3 प्रोसेसर, 50 मेगापिक्सल का त्रि-कैमरा संयोजन और 5000 एमएच की सशक्त बैटरी मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, गैलेक्सी ए27 उन उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है जो कम कीमत में बेहतर प्रदर्शन और आधुनिक सुविधाओं की तलाश कर रहे हैं।

वाली श्रृंखलाओं में से एक मानी जाती है। इस श्रृंखला में पहले ही सैमसंग गैलेक्सी ए57, सैमसंग गैलेक्सी ए37 और सैमसंग गैलेक्सी ए17) जैसे स्मार्टफोन शामिल हैं।

पहले भी इस उपकरण को कई प्रमाणीकरण में पर देखा जा चुका है, जहां इसके कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए थे। गैलेक्सी ए 57, सैमसंग गैलेक्सी ए17) जैसे सबसे लोकप्रिय और अधिक बिकने

राजा शिवाजी के लिए सितारों ने नहीं ली फीस: रितेश

बॉलीवुड अभिनेता और फिल्मकार रितेश देशमुख ने बताया है कि राजा शिवाजी के लिए सितारों ने फीस नहीं ली है।

रितेश देशमुख का फिल्म राजा शिवाजी ने एक मई को रिलीज हुयी है। छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान योद्धा को समर्पित यह फिल्म दर्शकों का दिल जीत रही है और सिर्फ तीन दिनों में 33 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर चुकी है। इस बीच रितेश देशमुख ने एक चॉकाने वाला खुलासा किया है कि फिल्म के सभी कलाकारों ने इसमें बिना फीस के काम किया।

रितेश देशमुख ने कहा, 'इस मराठी फिल्म को महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा स्क्रीन मिले हैं। हमने महाराज पर जितनी भी किताबें हैं, उन्हें पढ़ा है। उनका इतिहास इतना विशाल है कि उसे एक फिल्म में सफेद आसान नहीं है। हमारा काम था कि हम इस फिल्म को बिना किसी

समझौते के पेश करें। सलमान खान मेरे भाई हैं, उन्होंने मेरी दोनों फिल्मों में काम किया है। मैंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर साढ़े तीन साल काम किया। इस फिल्म में सभी बड़े कलाकारों ने बिना फीस के काम किया है, सबने महाराज के लिए काम किया है।' रितेश देशमुख ने कहा, 'हमने इस फिल्म को हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज किया है। गर्मियों को छुट्टियां शुरू हो रही हैं, ऐसे में यह पूरे परिवार और बच्चों के लिए एक अच्छा मौका है कि वे इस फिल्म के जरिए महाराज के बारे में जान सकें।'

रितेश देशमुख ने कहा, 'हमने इस फिल्म को हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज किया है। गर्मियों को छुट्टियां शुरू हो रही हैं, ऐसे में यह पूरे परिवार और बच्चों के लिए एक अच्छा मौका है कि वे इस फिल्म के जरिए महाराज के बारे में जान सकें।'

जाने अनजाने हम मिले ने पूरे किए 500 एपिसोड्स



जोड़ी, इस शो ने देशभर के दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बनाई है। जयती भाटिया, भरत अहलावत और आयुषी खुराना जैसे शानदार कलाकारों से सजे इस शो को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। इस खास मौके पर जाने

अनजाने हम मिले की पूरी टीम ने सेट पर जेक काटकर खुशी के साथ करक मनाया। सभी ने मिलकर इस पड़ाव को यादगार बनाया और आने वाले समय में इससे भी बड़े मुकाम हासिल करने की उम्मीद जताई।

गर्म होने पर क्यों स्लो हो जाता है फोन

गर्मियों के सीजन में स्मार्टफोन गर्म होते हैं और इस कारण वे स्लो काम करने लगते हैं। अक्सर आपने नोटिस किया होगा कि भीषण गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर नहीं बल्कि स्मार्टफोन्स पर भी पड़ता है। फोन्स में ओवर हीटिंग की दिक्कत आने लगती है और इसका असर फोन की परफॉर्मेंस पर भी पड़ता है। वे स्लो हो जाते हैं।

ऐसा थर्मल थ्रॉटलिंग के कारण होता है। दरअसल, थ्रॉटलिंग एक सुरक्षा फीचर है, जो तापमान बहुत अधिक बढ़ने पर फोन की परफॉर्मेंस को कम कर देता है। यह अक्सर गेमिंग, वीडियो रिकॉर्डिंग, चार्जिंग या भारी मल्टीटास्किंग के दौरान होता है। इस दौरान प्रोसेसर सामान्य से ज्यादा काम करते हैं, यूजर्स को कई बार लैग, कम फ्रेम दर या स्क्रीन की चमक कम होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन उन्हें ये नहीं पता होता है

कि इसका कारण फोन का अधिक गर्म होना है। कब गर्म होता है फोन? - फोन तब ज्यादा गर्म होता है जब प्रोसेसर और बैटरी दोनों पर दबाव पड़ता है। लंबे समय तक गेम खेलना, 4K वीडियो रिकॉर्ड करना, नेविगेशन ऐप्स का इस्तेमाल करना और फोन इस्तेमाल करते समय चार्ज करना ये सभी अतिरिक्त गर्मी पैदा कर सकते हैं। गर्म मौसम या सीधी धूप इस समस्या को और भी बढ़ा सकती है। इतना ही नहीं, मोटे फोन कवर भी गर्मी को रोक सकते हैं और पैसिव कूलिंग की क्षमता को कम कर सकते हैं।

हाईवेयर नहीं होंगे खराब- ज्यादा काम के दौरान बिजली की खपत कम करने के लिए डायनामिक वोल्टेज एडजस्टमेंट का भी इस्तेमाल किया जाता है। कम वोल्टेज का मतलब है कम गर्मी पैदा होगी, जिससे फोन तेजी से ठंडा हो जाएगा।

सैमसंग गैलेक्सी ए27 जल्द लॉन्च होगा

सैमसंग की वेबसाइट पर सूचीबद्ध, फीचर्स भी सामने आए

दक्षिण कोरियाई प्रौद्योगिकी कंपनी सैमसंग एक बार फिर अपने मध्यम बजट स्मार्टफोन खंड में हलचल मचाने की तैयारी कर रही है। कंपनी का आगामी स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए27 अब लॉन्च के बेहद करीब माना जा रहा है। हाल ही में इस उपकरण को पहले आईएमईआई डेटाबेस में देखा गया था और अब इसे कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी सूचीबद्ध कर दिया गया है। किसी भी स्मार्टफोन का आधिकारिक वेबसाइट पर दिखाई देना इस बात का संकेत होता है कि उसका बाजार में आगमन निकट है। रिपोर्टों के अनुसार, गैलेक्सी ए27 को सैमसंग की ब्राजिल स्थित वेबसाइट पर सैमसंग वॉलेट समर्थित उपकरणों की सूची में शामिल किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी इस फोन के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों स्तरों पर अंतिम तैयारियां पूरी कर रही है। इससे



पहले भी इस उपकरण को कई प्रमाणीकरण में पर देखा जा चुका है, जहां इसके कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए थे। गैलेक्सी ए 57, सैमसंग गैलेक्सी ए17) जैसे सबसे लोकप्रिय और अधिक बिकने

संभावित विशेषताओं की बात करें तो इस फोन में 6.7 इंच का बड़ा एमोलेड प्रदर्शन पटल, शक्तिशाली स्नेपड्रैगन 8 जन 3 प्रोसेसर, 50 मेगापिक्सल का त्रि-कैमरा संयोजन और 5000 एमएच की सशक्त बैटरी मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, गैलेक्सी ए27 उन उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है जो कम कीमत में बेहतर प्रदर्शन और आधुनिक सुविधाओं की तलाश कर रहे हैं।

वाली श्रृंखलाओं में से एक मानी जाती है। इस श्रृंखला में पहले ही सैमसंग गैलेक्सी ए57, सैमसंग गैलेक्सी ए37 और सैमसंग गैलेक्सी ए17) जैसे स्मार्टफोन शामिल हैं।